पाठ 12

कृषि - खेती

निर्भर - दूसरे पर आश्रित

उद्योगों - कल कारखानों

कच्चा माल -- कारखानों में काम आने वाले वे पदार्थ जो अपने आरंभिक या प्राकृतिक रूप में हो

भौतिक विविधता - छोटे भौगोलिक स्थान में परिवर्तन होते हैं ।

निर्वाह कृषि - इस प्रकार की खेती में किसान खुद के उपयोग के लिए खेती करता है ।

वाणिज्य कृषि - इसमें उत्पादन का अधिकतर भाग धन प्राप्ति के लिए बाजार में बेचा जाता है ।

मिश्रित कृषि - जिसमें खेती के साथ-साथ पशुपालन भी किया जाता है।

बिक्री - विक्रय, बेचना

खाद्य फसलें - वे फसलें जिनका उपयोग मानव अपने लिए करता है ।

नकदी फसलें - वे फसलें बाजार में बेचने हेतु गई जाती है ।

बागवानी फसलें - वे फसलें जिसमें फल व सब्जियां उगाई जाती है उन्हें बागवानी फसल कहते हैं ।

बुलई मिट्टी - जिसमें रेत की मात्रा अधिक पाई जाती है ।

दोमट मिट्टी - रेत तथा सड़े गले जैविक पदार्थों से युक्त मिट्टी जो बहुत गुणवत्ता युक्त ।

जलोढ़ मिट्टी - जल द्वारा बहा कर लाई गई मिट्टी ।

मृदा उर्वरता - मिट्टी का उपजाऊपन ।

स्रोत - किसी वस्तु या तत्व का उद्गम या उत्पत्ति स्थान ।